

न्यायालय बर्जलारा उपखण्ड अधिकारी चाकसू जिला, जयपुर

पीठारसीन अधिकारी :- अशोक कुमार (आरएएस)

वाद संख्या :- 252 / 2020

निर्णय दिनांक :- 20.07.2022

- उगवान
1. राजेन्द्र प्रसाद पुत्र श्री रामफूल जग्गिंड निवासी- छान्देल कलां, तहसील चाकसू जिला जयपुर।
- वादी

**बनाम**

1. काना पुत्र शिवराज
  2. जगदीश पुत्र शिवराम
  3. महादेव पुत्र शिवराम
  4. श्योचन्दा पुत्र शिवराम
  5. गोपाल पुत्र रामनाथ
  6. रामजीलाल पुत्र रामनाथ (मृतक)
  - 6/1 सुरेश कुमार पुत्र रामजीलाल
  - 6/2 गदन पुत्र रामजीलाल
  - 6/3 विगला पुत्री रामजीलाल
  - 6/4 नन्ही देवी पत्नि रामजीलाल
- समस्त जाति जाट, निवासीयान- ग्राम लक्ष्मीपुरा, तहसील कोटखावदा जिला जयपुर राज0।
7. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार तहसीलदार तहसील कोटखावदा जिला जयपुर।
  8. उप पंजीयक कोटखावदा, तहसील कोटखावदा जिला जयपुर।

—प्रतिवादी



नो  
अधिकारी  
(जयपुर)

file\RT\RAJENDRA VS KANA.docx

वादीगण की ओर से वाद निम्न प्रकार से प्रस्तुत किया गया कि तहसील कोटखावदा के पटवार क्षेत्र बडोदिया ग्राम लक्ष्मीपुरा में वादी व प्रतिवादीगण की खातेदारी जमीन है। जिसके खाता संख्या 59 में खसरा नंबर 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 494, 496, 497, 498, 499, 500, 502, कुल किता 19 कुल रकबा 3.72 है<sup>0</sup> स्थित हैं जो वर्तमान में वादी व प्रतिवादीगण के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। उक्त भूमि को विवादग्रस्त से सबोधित किया गया है। वादग्रस्त आराजी का खाता अभी संयुक्त खाता है पक्षकारों का अलग अलग हिस्सा व लगान कायम नहीं हुआ है। तथा पक्षकारो ने अपनी अपनी मर्जी से यहाँ कर रखे है। जिसमें वादी का हिस्सा पृथक से खसरा नंबर 495 संपूर्ण पर व खसरा नंबर 496 के 0.04 है<sup>0</sup> पर एक तरफ है जिसे वादी ने अपनी पूरी मेहनत व लगन से उपजाऊ बनाया है। वादी एक सीधा साधा भौला भाला किसान है जबकि प्रतिवादीगण काफी तेज है जो भूमाफियों के संपर्क मे है तथा उक्त भूमि जिस पर वादी काबिज है उसके हिस्से से बेदखल करना चाहते है तथा कब्जे की आड में वादी को परेशान करना चाहते है लठ के दम पर आये दिन जमीन उल्टी सीधी करने की कुचेष्टा रखते है तथा लठ के दम पर वादी को उसको हिस्से के उपयोग उपभोग से वंचित करने पर आतूर रहते है। वादी ने प्रतिवादीगण से निवेदन किया कि वादग्रस्त आराजी का विधिवत तकासमा करवालो तकासमे के बाद

किसी कॉलोनाईजर को विक्रय कर देना पर प्रतिवादीगण इससे सहमत नहीं हुए और वादी को धमकी दी कि हम तो हमारे हिस्से को बेचान करेगे तथा तुम्हे तुम्हारी खेती बाड़ी से वंचित करेगे। जिसके लिए वादी के लिए आवश्यक हो गया कि वे अपने हिस्से का तकासमा दावा करके करवाये तथा प्रतिवादीगण को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द करवाये। प्रतिवादीगण दिनांक 01.09.2020 को अजनबी लठेतो के साथ उक्त आराजी पर आये और वादी को उसके हिस्से से बेदखल करना चाहा तथा वादी के उपयोग उपभोग में बाधा कारित की, वादी के विरोध करने पर लडाई झगडे पर आमादा हो गये, हल्ला सुनकर आस पास के लोग आये तब तो प्रतिवादीगण वहां से चले गये लेकिन जाते जाते वादी को उसके हिस्से से बेदखल करने व उसके उपयोग उपभोग में बाधा कारित करने की धमकी देकर चले गये। जिसके लिये वादी को आवश्यक हुआ कि वह प्रतिवादीगण को स्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द करावे तथा अपने हिस्से का तकासमा करवाये यदि उन्हे स्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द नहीं किया गया तो व अपने नापाक इरादे मे कामयाब हो जायेगे। वाद कारण दिनांक 01.09.2020 को उत्पन्न हुआ जो निरन्तर जारी है। दावा बहक वादी विरुद्ध प्रतिवादीगण तकासमा का डिक्री किया जाकर वादग्रस्त आराजी वर्णित मद नंबर 1 मे से वादी के हिस्से का विधिवत तकासमा किया जाकर वादी का अलग खाता व अलग लगान कायम किया जावे व प्रतिवादीगण को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जावें की वे वादी के कब्जे काश्त व उपयोग उपभोग में किसी प्रकार की बाधा कारित न तो स्वयं करें और ना ही किसी अपने एजेन्ट सर्वेन्ट आदि दीगर व्यक्तियों से करवाये। ना ही किसी प्रकार का उक्त वादग्रस्त आराजी पर निर्माण कार्य करे तथा

7  
धिकारी  
(सुदर)

file\CRT\RAJENDRA VS KANA.docx

प्रतिवादी संख्या 7 वादग्रस्त आराजी की यथारिथति व रिकार्ड में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं करे व प्रतिवादी संख्या 08 वादग्रस्त आराजी के किसी प्रकार के दस्तावेज का पंजीयन नहीं करे।

दावा दर्ज रजिस्टर किया जाकर दावा पक्षकारान वादी व प्रतिवादीगण की सहमति से दिनांक 25.02.2021 को प्राथमिक डिक्री किया जाकर तहसीलदार कोटखावदा को कमिश्नर नियुक्त किया जाकर दोनो पक्षों की मौजूदगी में तकासमा प्रस्ताव बनाया जाकर भिजवाये जाने हेतु पत्र क्रमांक/राजस्व/21/532 दिनांक 02.03.2021 को लिखा गया जिसकी पालना में तहसीलदार कोटखावदा के द्वारा पत्र क्रमांक /भूअ/21/132 दिनांक 12.10.21 को कुरेजात रिपोर्ट भिजवायी गयी जिसे शामिल पत्रावली किया जाकर वादी व प्रतिवादीगण को कुरेजात का अवलोकन कराया गया तो प्रतिवादी वकील ने प्रार्थना पत्र आपत्ति कुरेजात रिपोर्ट पेश जो इस प्रकार है। तहसीलदार को मान्य न्यायलय द्वारा कुरेजात रिपोर्ट तैयार करने हेतु कमिश्नर नियुक्त किया गया था। किन्तु तहसीलदार जी मौके पर नहीं गए वह कार्यालय में बैठ कर कुरेजात रिपोर्ट तैयार कर दी गई जब कि न्यायालय श्रीमान द्वारा यह निर्देश दिया गया था कि दोनो पक्षों की मौजूदगी में कुरेजात रिपोर्ट तैयार की जाए, जिसकी पालना तहसीलदार कोटखावदा द्वारा नहीं की गई। तहसीलदार द्वारा पक्षकारों को कुरेजात रिपोर्ट तैयार करने हेतु कोई नोटिस नहीं दिया गया, नहीं मौके पर उपस्थित होने हेतु कोई सूचना दी गई। तहसीलदार कोटखावदा द्वारा वादी राजेन्द्र की मुख्य सडक चाकसू कोटखावदा के लगते भूमि दी जो रोड के लगत है दी गई है। वादी राजेन्द्र अजनबी क्रेता है जिसको रोड की भूमि नहीं दी जा सकती और बाकी कारस्तकारों को पीछे की भूमि दी गई है। जिस पर आने

वेकारी  
यपुर)

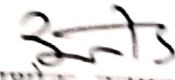
जाने का रास्ता नहीं है, जो राजस्व गण्डल के तकासमा के नियमों के विरुद्ध होने के कारण काबिले निरस्त होने लायक है। वादी अकेले का तकासमा किया गया है जो कानून के खिलाफ है। जो कि तकासमा समस्त खातेदारों की मोजदूगी में होना आवश्यक है। वादी को जो भूमि दी गई है वह कीमत ज्यादा है, और प्रतिवादीगण को पीछे की जो भूमि समस्त खातेदारों को नोशनल शेयर के अनुसार भूमि रोड के लगते दी जाना कानूनन आवश्यक है। अतः प्रार्थना पत्र आपत्ति कुर्रेजात पेश कर निवेदन है कि निरस्त फरमाकर नए सिरे से समस्त खातेदारों की उपस्थिति में की जावें।

वादी वकील ने जवाब आपत्ति कुर्रेजात रिपोर्ट पेश की जो इस प्रकार है प्रार्थना पत्र का मद नंबर 1 में वर्णित तथ्य गलत होने से अस्वीकार है बल्कि तहसीलदार जी मौके पर जाकर उभयपक्षों की उपस्थिति में कुर्रेजात तैयार की है कि मौके पर उपस्थित रहकर ही कुर्रेजात तैयार करवायी गयी है। वादी के हिस्से की भूमि की कुर्रेजात सही वादी काबिज है जो मूल खातेदार के हिस्से में आयी थी वही ही वादी के हिस्से में आयी है। प्रार्थना पत्र के मद नंबर 4 में वर्णित तथ्य गलत होने से अस्वीकार है वादी की जमीन में गडडा है जिसकी कीमत कम है। अतः जवाब आपत्ति प्रार्थना पत्र मय शपथ पत्र प्रस्तुत कर निवेदन है आपत्ति प्रार्थना पत्र खारिज फरमाया जाकर प्रकरण में अंतिम डिकी पारित किये ने की कृपा करें। कुर्रेजात रिपोर्ट सहमति से बनाये गये है जो सही है, उक्त कुर्रेजात रिपोर्ट अनुसार दावा वादी डिकी किये जाने की सहमति जाहिर करते हुये मुताबिक कुर्रेजात डिकी किया जाना जाहिर किया।

3  
यपुर

वकील वादी की बहस पर गौर किया व आपत्ति कुर्रेजात रिपोर्ट एवं पत्रावली का परीक्षण किया गया तो कुर्रेजात रिपोर्ट प्राथमिक डिक्री के अनुरूप बनाये गये हैं। जो राजस्व मण्डल के 18 से 21 के अनुरूप पाये गये प्रतिवादी वकील के द्वारा कुर्रेजात रिपोर्ट पर गई आपत्ति नियमों के विपरित जाकर की गई है। जो गलत है। कुर्रेजात रिपोर्ट भौके पर जाकर बनाई गई है। उपस्थित खातेदारान के हस्ताक्षर करवाये गये, जिससे साफ जाहिर होता है कि वकील प्रतिवादी द्वारा वादे को देरी ना करने की नियत से आपत्ति दर्ज करवाई गई है। जो खारिज किये जाने योग्य है। अतः उपरोक्त विवेचन के अनुसार कुर्रेजात रिपोर्ट आपत्ति प्रार्थना व जवाब आपत्ति प्रार्थना पत्र का परीक्षण किया जाने पर उक्त कुर्रेजात रिपोर्ट राजस्व मण्डल के नियम 18 से 21 के अनुरूप पाये जाने से प्रतिवादी वकील द्वारा कुर्रेजात रिपोर्ट पर की गई आपत्ति का निराधार होने से खारिज किया जाना योग्य है, व मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट अनुसार दावा वादी डिक्री किया जाना उचित समझते हैं।

अतः वादी का वाद स्वीकार कर मुताबिक आपत्ति कुर्रेजात डिक्री किये जाने के आदेश दिये जाते हैं। कुर्रेजात के अनुसार खाता व लगान पृथक पृथक किया जावें। नक्शा कुर्रेजात निर्णय व डिक्री के पार्ट रहेगे। निर्णय अनुसार डिक्री जारी हो। निर्णय की पालना हेतु तहसीलदार को लिखा जावें। पत्रावली बाद तकमील दाखिल दफतर हो।

  
(अशोक कुमार)  
उपस्थित अधिकारी,  
चाकरपुरा (जयपुर)